8110

॥ श्री ॥

विक्रय पत्र

Sharp

बैनामा 250,000/= रु०

यह कि मैं श्रीमती कमलेश धर्मपत्नी स्व० श्री सुरेन्द्र कुमार स्वयं तथा वली व कारकुन कुदरती कु० अनुजा उम्र १६ साल, कु० सुषमा उम्र २५ वर्ष व कु० नेहा उम्र २३ वर्ष व ना० पुनीत उम्र ५ वर्ष पुत्रीगण व पुत्र स्वयं आला स्वयं निवासी ग्राम प्रेम पुरी, रुनकौर जिला गौतम बुद्ध नगर के

जो कि मैं प्रतिज्ञ निम्नलिखित भचल सम्पत्ति का पूर्ण स्वामी हूं।

स्वत्व (Title) एक दुकान दक्षिण मुखी निम्न पैमाइश व निम्न चतुर सीमा

जो कि हर प्रकार के भार रहन आदि से मुक्त व स्वच्छ है और जिसमें मेरे अतिरिक्त अन्य कोई भी भागीदार किसी प्रकार का नहीं है और जिसके विक्रय करने के मुझे पूर्ण स्वत्व अधिकार प्राप्त है और मेरे पूर्ण रुपेण कब्जे व अधिकार में है।

मैंने बजरुत जरूरत घरेलू खर्चा
निम्नलिखित सम्पत्ति को केवल 250000/- रु० दो लाख पचास हजार
जिसके कि आधे 125000/- रु० एक लाख पच्चीस हजार रु० होते हैं हाथ
श्रीमती रचना रानी धर्मपत्नी श्री संजय कुमार
निवासी मौहल्ला मालियान, रुनकौर जिला गौतम-
बुद्ध नगर

के सहित समस्त अधिकार स्वत्व और हित के तथा बिना कोई विषय सुरक्षित रखते हुए बेच दी है। जरे समन की अदायगी निम्नलिखित रुप में की गई।
क्रेता उक्त का पूर्ण अधिकार सहित समस्त विक्रीत सम्पत्ति पर कब्जा करा दिया है। अब मुझे तथा मेरे उत्तराधिकारियों तथा स्थापन्नों का विक्रीत सम्पत्ति मे कोई सम्बन्ध नहीं रहा है और न भविष्य में होगा। इसमें मेरा कोई अधिकार किसी प्रकार का शेष नहीं रहा है यदि मेरे स्वत्व, या अधिकार के अभाव के कारण या किसी अन्य भागीदार के उत्पन्न होने से या अन्य किसी प्रकार की त्रुटि के कारण कुल विक्रीत सम्पत्ति या उसका कुछ अंश क्रेता के कब्जे स निकल जाये, कब्जा न मिले या किसी भार के कारण, जिसको मैंने क्रेता से स्पष्ट न किया हो, या भार चुकता करना पड़े तो क्रेता उक्त को अधिकार है कि वह अपना कुल रुपया या उसका अंश या और जो कुछ भी हानि हुई हो अथवा इस सम्बन्ध में जो भी व्यय क्रेता उक्त को करना पड़ा हो। वह सब मुझसे/मेरे उत्तराधिकारियों एवं स्थापन्नों से व मेरी अन्य सम्पत्ति से चाहे जिस प्रकार तय सूद कानूनी के प्राप्त कर ले मुझे या वारिसान मेरी को कोई उजर न होगा।

अत: यह **विक्रय पत्र** स्वस्थचित व मस्तिष्क व स्थिर बुद्धि व स्वच्छता से लिख दिया कि प्रमाण रहे ---१२------ स्टाम्प पत्र कीमत ---25350/----- रु० इस विक्रय पत्र के साथ संलग्न है।
विक्री अदायगी जरे समन कुल विक्रीधन पहले ही पा लिया है

विवरण सम्पत्ति जो विक्रय की गई है स्थित मौहल्ला मेन बाजार

Kamlesh

3

00DD 757594

(2)

कस्बा दनकौर जिला गौतम बुद्ध नगर।

Kamlesh

1000 Rs.

(३)

पैमाईश विक्रीत दुकान लम्बाई उत्तर से दक्षिण

Kamlesh

1000Rs.

(८)

२१ फुट ४ इंच चौड़ाई १३ फुट ५ इंच कुल २८६

Kamlesh

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

र्गफुट अर्थात २६.५६ वर्ग मीटर। दुकान दोनों

Kamlesh

500 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

(६)

का फ्लैट मे इकरार नही हुआ है। चतुर सीमा फ्लैट

Kamlesh

500Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०० रु.

Rs 500

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच सौ रुपये FIVE HUNDRED RUPEES

(८)

दुकान मुरारीलाल नाहर पश्चिम: दुकान नरायन पंसारी उत्तर:

Kamlesh

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

(८)

आवचक पुस्तकों वादहु मकान आनन्द सिहला व दक्षीण: सड़क,

Kamlesh

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

(६)

पुख्ता रास्ता आम। स्टाम्प कि.रोज़ 3.50 प्रति को फुट से

Kamlesh

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.

Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

(२०)

३००५००/ तथा भूमि पर २५००/- प्रतिवर्ग मीटर से ६६५००/-

Kamlesh

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रु.

50RS

FIFTY RUPEES

(११)

कुल ३६५८०००/- का अदा किया गया है। दुकान खाली

Kamlesh

10 Rs.

दस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

१० रु. TEN RUPEES 10 Rs

(१२)

सुरेन्द्र कुमार ने कार्यालय सब रजिस्ट्रार सिकन्द्राबाद के प्रलेख पत्र सं० ६७३ सन ८९ के द्वारा क्रय की थी तथा तारीख २८.५.८८ को सुरेन्द्र कुमार की मृत्यु के पश्चात हम बतौर वारिस मालिक है।

Kamlesh

रवि शंकर पुत्र श्री [illegible] [illegible] जाता वाली गली

[illegible]

राकेश कुमार गर्ग पुत्र श्री चन्द्र प्रकाश
नि. [illegible] हस्ताक्षर

[illegible] 6/7/90

[illegible]
[illegible]
सिकन्द्राबाद (उ० प्र०)